

अन्नित 2. महाभारत के अनुसार, मरीचि, अभि, अंगिरा, पुलह, क्रतु 3. सात ताराओं का मंडल (आकाश में)

सप्तक वि. (तत्.) 1. जिसमें सात हों, सात 2. सातवाँ पुं. 1. सात का समूह 2. संगीत के सात स्वरों का समूह-षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत, निषाद, सा रे ग म प ध नि = सरगम।

सप्तकिंशत पुं. (तत्.) सैती।

सप्तकी स्त्री. (तत्.) 1. सात वस्तुओं का समूह 2. स्त्रियों का कटिबंध 3. सात लड़ियों वाली करधनी, कांची।

सप्तकृत पुं. (तत्.) 1. एक विश्वदेव अर्थात् विश्वदेवों में से एक 2. अग्नि।

सप्तगंगा स्त्री. (तत्.) गंगा आदि सात पवित्र नदियों का समूह जैसे- गंगा, यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु तथा कावेरी।

सप्तजिह्व वि. (तत्.) 1. सात जिह्वाओं वाला 2. पुं. सात ज्वालाओं वाली अग्नि टि. अग्नि की सात जिह्वाएँ इस प्रकार हैं- काली, कराली, मनोजना, सुलोहिता, सुधूमवर्णा 3. उग्रा, प्रदीपा।

सप्तपंचांश वि. (तत्.) सत्तावनवाँ

सप्ततंत्री स्त्री. (तत्.) वह वीणा जिसमें बजाने के लिए सात तार लगे हो।

सप्ततितम वि. (तत्.) सत्तरवाँ

सप्तदश वि. (तत्.) सत्रह।

सप्तद्वीप पुं. (तत्.) पुराणों के अनुसार पृथ्वी के सात बड़े मुख्य विभाग जैसे- जम्बू, कुश, प्लक्ष, क्रौञ्च, शाल्मलि, शाक और पुखर द्वीप।

सप्तधातु पुं. (तत्.) 1. आयु. शरीर के अंदर पाये जाने वाले सात संयोजक द्रव्य- रक्त, पित्त, मांस, वसा, मज्जा, अस्थि और शुक्र 2. चंद्रमा का एक घोड़ा 3. सातधातुएँ- सोना, चाँदी, ताँबा, राँगा, जस्ता, सीसा और लोहा।

सप्तधान्य पुं. (तत्.) सात प्रकार के अन्नों का समूह जिसका विशेष रूप से मांगलिक या यज्ञादि अवसरों पर प्रयोग किया जाता है,

सतनाजा जैसे- गेहूँ, जौ, तिल, उड़द, मूँग, कंगनी मसूर।

सप्तनदी स्त्री. (तत्.) सात पवित्र नदियों का समूह जैसे- गंगा, यमुना, सरस्वती, सिन्धु, गोदावरी, कावेरी और सिंधु।

सप्तनाड़ी चक्र पुं. (तत्.) वर्षासूचक नक्षत्रों से युक्त एक चक्र जो सात तिर्यक (टेढ़ी) रेखाओं से बना होता है।

सप्तपत्र वि. (तत्.) 1. जिसमें सात पत्ते हों या सात दल हों, सात पत्तों वाला 2. पुं. 1. सप्तपर्ण, छतिवन या सतौना 2. मोतिया या मोगरा नाम का वृक्ष बेला 3. सूर्य।

सप्तपदी स्त्री. (तत्.) 1. विवाह संस्कार की एक रीति जिसमें वर-वधू ग्रंथिबंधन कर अग्नि की सात बार परिक्रमा करते हैं 2. अग्नि को साक्षी मानते हुए वर के द्वारा वधू को चलाये गए सात पग (पद) जो परस्पर सात वचनों को स्वीकार मानने की विधि होती है यह विधि वर-वधू को पति पत्नी के रूप में अधिकारपूर्ण दृढ़ता प्रदान करती है।

सप्तपर्ण पुं. (तत्.) 1. छतिवन का एक वृक्ष 2. प्राचीन काल की प्रसिद्ध एक प्रकार की मिठाई।

सप्तपर्णी स्त्री. (तत्.) शर्मिली, लाजवंती लता।

सप्तपाताल पुं. (तत्.) 1. सात पाताल जो पृथ्वी के नीचे पाये जाते हैं जैसे- अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, पाताल और रसातल 2. सात भुवन।

सप्तपुत्री स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की हरी सब्जी तरोई जिसमें पाँच या सात फलियाँ एक साथ गुच्छे के रूप में लगती हैं। सतपुतिया।

सप्तपुरी स्त्री. (तत्.) धार्मिक दृष्टि से अत्यंत प्रसिद्ध सात पुरियाँ जो श्रद्धालुओं के लिए मोक्षदायिनी मानी गई हैं जैसे- 1. अयोध्या 2. मथुरा 3. माया (हरिद्वार/हरद्वार) 4. काशी 5. कांची 6. अवंतिका (उज्जैन) 7. द्वारावटी (द्वारिका)।

सप्तप्रकृति स्त्री. (तत्.) राज्य के सात अंग।